Title: Need for regular payment of salary to municipality employees in Assam.

SHRI NEPAL CHANDRA DAS (KARIMGANJ): Sir, the municipality employees in Assam are not getting their salary regularly. They are getting salary after 6-7 months and in instalments. As a result, they are finding difficulty in mainting their families in these hard days. The Assam Government has not been able to get any grant-in-aid to pay the salaries to the Municipality employees. The Assam Government is also finding difficulty in paying salaries to State Government employees and also the development works in the State have been suspended.

The Assam State Government employees have also been staging agitation and dharnas from time to time for having their salaries regularly and also for revising their salaries at par with the salaries of the Central Government employees.

The Central Government is requested to intervene in the matter effectively and extend special grant-in-aid to the Government of Assam so that the municipality and State Government employees may get their salaries in time and also they are paid salary at the revised rates as paid to Central Government employees. I also urge upon the Central Government to direct the Assam Government to take over employees of municipalities as State Government employees.

... (Interruptions)

PROF. SAIFUDDIN SOZ (BARAMULLA): I want to know, through you, from the hon. Home Minister whether Shri Bal Thackeray is above law. ....(Interruptions) He is indulging in vandalism ....(Interruptions) We have to express our opinion also. ....(Interruptions) It is vandalism by Shri Bal Thackeray. I want to know whether he is above law. ....()Interruptions)

सभापति महोदय : आप लोग शांति बनाए रखें, सबको चांस मिलेगा।

... (व्यवधान)

सभापति महोदयः एक बार में एक ही माननीय सदस्य बोलें। शांति रखेंगे तो सारा काम ठीक से होगा।

PROF. SAIFUDDIN SOZ : Kindly listen to four or five Members. Thereafter, the hon. Home Minister may make a statement. ....(Interruptions) I want to say something on this very briefly. ....(Interruptions).

सभापति महोदयः ठीक है, मैंने सुन लिया है।

PROF. SAIFUDDIN SOZ : You give two or three minutes to everyone. ....(Interruptions)

सभापति महोदयः मैं बिलकुल सुन रही हूं, आपकी ही बात सुन रही हूं। बारी-बारी से अपनी बात कहें।

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर): कल संसदीय कार्य मंत्री जी ने कहा था कि श्री बाल ठाकरे के सम्बन्ध में और श्री दिलीप कुमार पर जो हमला हुआ है, उसके ऊपर स्टेटमेंट देंगे। हम लोग जानना चाहते हैं कि स्टेटमेंट कब हो रहा है ... (व्यवधान)

SHRI MADHUKAR SIRPOTDAR (MUMBAI NORTH-WEST): I have an objection to this. ....(Interruptions)

श्री शकुनी चौधरी (खगड़िया): मेरी बात भी सुन लें।

सभापति महोदयः शकुनी जी, आप शांति से बैठिए। एक मामला तो खत्म होने दें। नियम ३७७ में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि मंत्री जी उस पर रिएक्ट करें।

... (व्यवधान)

सभापति महोदयः जितना आपका लिखित मैटर था, वही काफी है।

श्री शकुनी चौधरी : आप भी बिहार से हैं, आप इस पर सोचें। वहां अभी तक पंचायत के चुनाव नहीं हुए हैं।

... (व्यवधान)

वह करा दें।

... (व्यवधान)

सभापति महोदयः मैं मंत्री जी को नहीं कह सकती कि वे रिएक्ट करें। नियम ३७७ में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

SHRI MADHUKAR SIRPOTDAR : My very objection is that there was no attempt at all. ....(Interruptions)

सभापति महोदयः आप बैठिए।

PROF. SAIFUDDIN SOZ : I want to express my sentiments. ....(Interruptions) Is he above law?

सभापति महोदयः ग़ृह मंत्री जी बोलना चाहते हैं, आप बोलने नहीं दे रहे हैं।

SHRI BUTA SINGH (JALORE): At least listen to us. We have a right to say something. You are listening to everybody, but you do not listen to me. ....(Interruptions)
SHRI BASU DEB ACHARYA: You allow us. ....(Interruptions)

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री मदन लाल खुराना): इस पर चर्चा हो गई है

... (व्यवधान)

मैंने कल आश्वासन दिया था कि वे बताएंगे, तो उनको बोलने दीजिए।

सभापति महोदयः यह मामला कल उठ चुका है। ग़ृह मंत्री जी रिएक्ट करना चाहते हैं, आप सुनिए तो सही। इसे नए सिरे से उठाने की कोई बात नहीं है।

SHRI BUTA SINGH (JALORE): I will take only one minute. ....(Interruptions) You have to listen to me. In this very House, yesterday the hon. Minister ....(Interruptions)

प्रो. सैफ़ुद्दीन सोज़ (बारामूला): मैंने कल नहीं उठाया।

उर्दू के लिए जगह सभापति महोदयः तो आज आपने नोटिस नहीं दिया है।

प्रो. सैफ़ुद्दीन सोज़ : इस पर दिया है, जीरो ऑवर नहीं हुआ है।

... (व्यवधान)

उर्दू के लिए जगह सभापति महोदयः आप शांति से भी बोल सकते हैं।

श्री प्रकाश विश्वनाथ परांजपे (ठाणे) : इन लोगों ने नोटिस नहीं दिया है, फिर भी हाउस में बोलते रहते हैं

... (व्यवधान)

ये कानून की बात करते हैं, बाल ठाकरे जी को कानून सिखा रहे हैं, पहले स्वयं कानून समझें। ये हाउस में कानून का पालन नहीं कर रहे हैं, शोर कर रहे हैं।

... (व्यवधान)

सभापति महोदयः मैं दोनों तरफ के माननीय सदस्यों से कहना चाहती हूं कि सदन में शांति बनाए रखें।

... (व्यवधान)

सभापति महोदयः नए विषय को उठाने की अनुमति नहीं है। अगर सुनना चाहते हैं तो गृह मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं, वह सुनें। नहीं सुनना चाहते तो आपकी इच्छा है।

... (व्यवधान)

सभापति महोदयः आप भी बैठिए। बूटा सिंह जी आप भी बैठिए।

PROF. SAIFUDDIN SOZ : The Home Minister should act very boldly against Shri Bal Thackeray. He is not above law. ....(Interruptions)
SHRI BUTA SINGH : I want to speak. ... (Interruptions)

सभापति महोदय : किसी को बोलने की अनुमति नहीं है। आप सब अपनी जगह पर बैठिए।

... (व्यवधान)

सभापति महोदयः किसी को कुछ बोलने की अनुमति नहीं है। अगर आप गृह मंत्री जी को नहीं सुनना चाहते हैं तो बहुत अच्छी बात है।

... (व्यवधान)

SHRI BUTA SINGH : You cannot manage the House like this. You have to listen to us. How can you shut down the discussion on the floor of this House?

सभापति महोदय : आज डिसकशन का समय नहीं है।

... (व्यवधान)

SHRI BUTA SINGH (JALORE):*

सभापति महोदय : पहले आप बैठिए।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : आप बहुत सीनियर मेम्बर हैं।

Please do not force me.
* Expunged as ordered by the Chair.